Get More Visit : http://hindicomics.blogspot.com

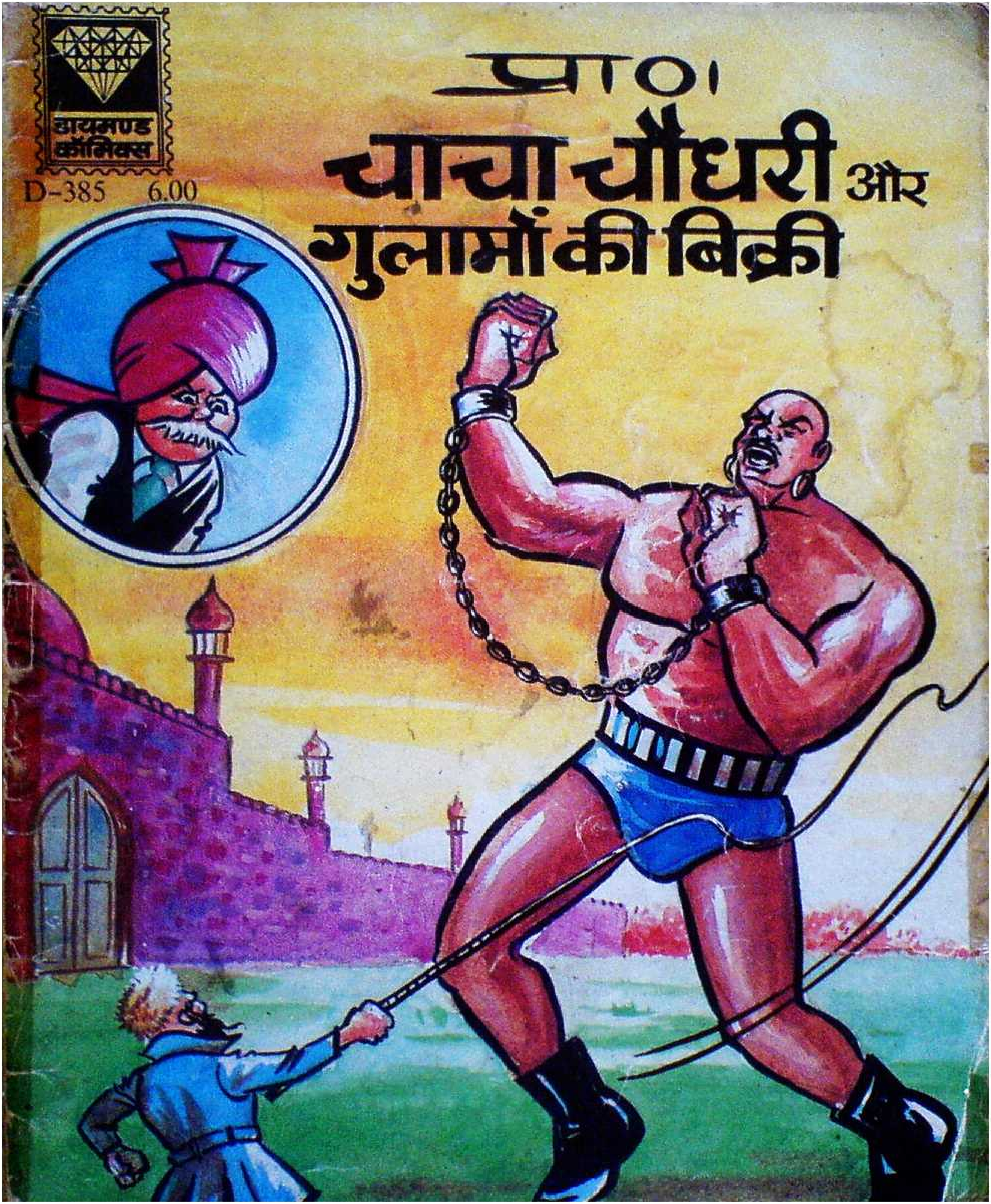

प्राण
डायमण्ड कॉमिक्स
D-385 6.00
चाचा चौधरी और
गुलामों की बिक्री

कार्टूनिस्ट प्राण

यह कॉमिक कार्टूनिस्ट प्राण की विभिन्न रचनाओं में से एक है. प्राण का जन्म कसूर नामक छोटे से कसबे में हुआ था, जो अब पाकिस्तान में है. विभाजन के बाद उनका परिवार ग्वालियर आकर बस गया. एम.ए. (राजनीति) और बम्बई में फाइन आर्ट्स का अध्ययन करने के बाद उनका कार्टूनिंग कैरियर 1960 में दैनिक मिलाप, नई दिल्ली से शुरू हुआ.

उन दिनों विदेशी कॉमिक स्ट्रिप्स का पूरे भारत में एकाधिकार था. प्राण ने इस एकाधिपत्य को समाप्त करने के विचार से भारतीय पात्रों को लेकर स्थानीय विषयों और समस्याओं पर कॉमिक्स बनानी शुरू की. उन्होंने एक आम मध्यम वर्ग की भारतीय गृहिणी को लेकर 'श्रीमतीजी' कॉमिक्स बनाई, जो अब 'मनोरमा' (इलाहाबाद) में प्रकाशित हो रही है. उनके दूसरे चरित्र 'चाचा चौधरी', 'रमन', 'बिल्लू', और 'पिंकी', सारे भारत में लोकप्रिय हो चुके हैं.

डायमण्ड कॉमिक्स ने उनकी स्ट्रिप्स को पुस्तकबद्ध करके एक नया आयाम दिया.

1983 में स्वर्गीय प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने प्राण की राष्ट्रीय एकता पर बनाई गई कॉमिक्स 'रमन – हम एक हैं' का बिक्री के लिए विमोचन किया. 1982 वर्ष का ठिठोली पुरस्कार इनको देकर सम्मानित किया गया.

प्राण के चरित्रों की अत्यन्त लोकप्रियता का रहस्य है कि वे सीधे सरल हास्य द्वारा पाठकों को भीतर तक गुदगुदा देते हैं. उनके शब्दों में - "अगर मैं टैक्स और मंहगाई के बोझ से दबे भारतीयों को कुछ हंसा सकूं तो अपने मकसद को सफल समझूंगा".

—प्रकाशक

Printed and Published by: NARENDER KUMAR For Diamond Comics (P) Ltd. 2715, Darya Ganj, New Delhi and Printed at: Best Photo Offset Printers Okhla N.Delhi. Editor: Gulshan Rai.

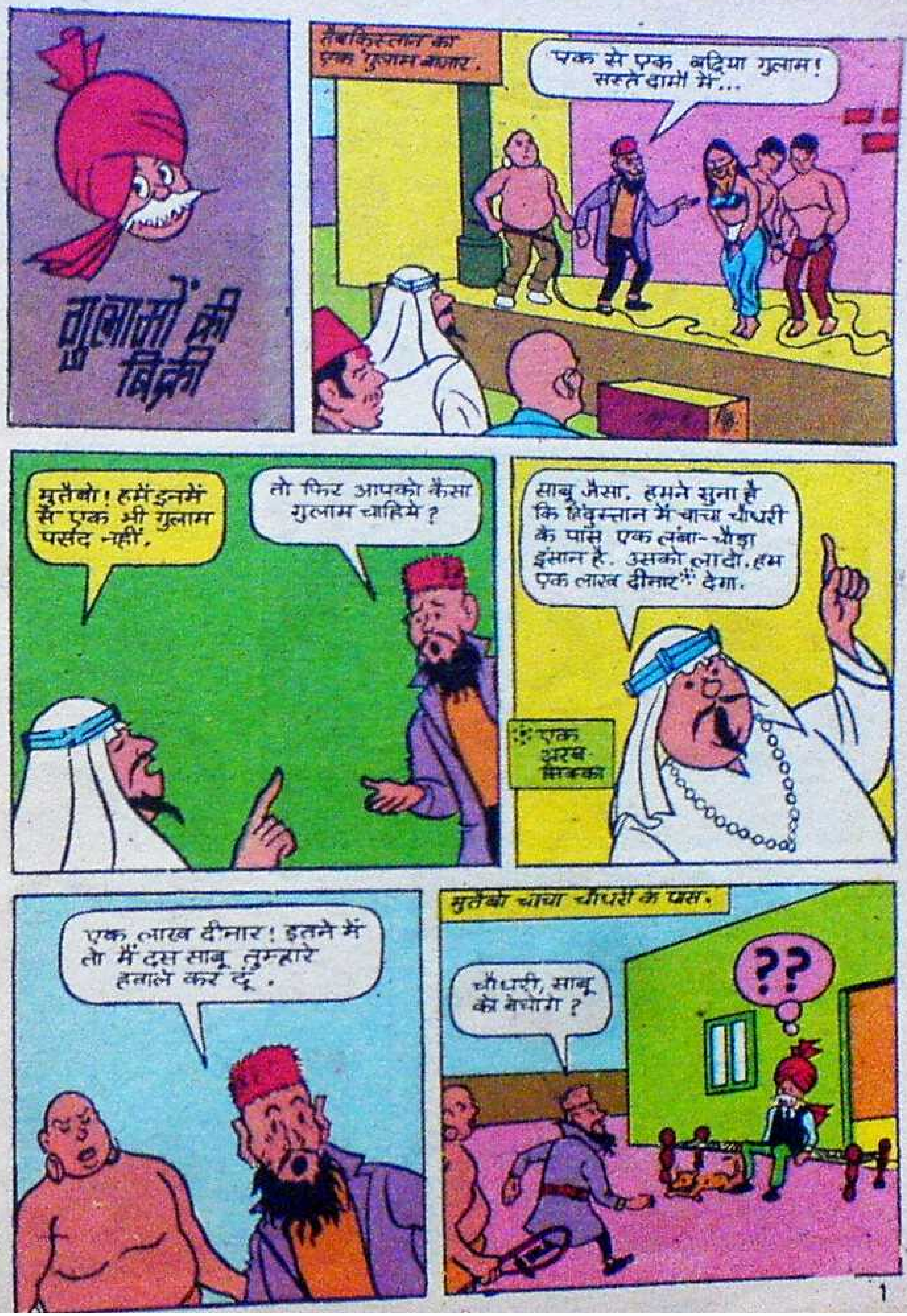

© PRAN'S FEATURES 1981

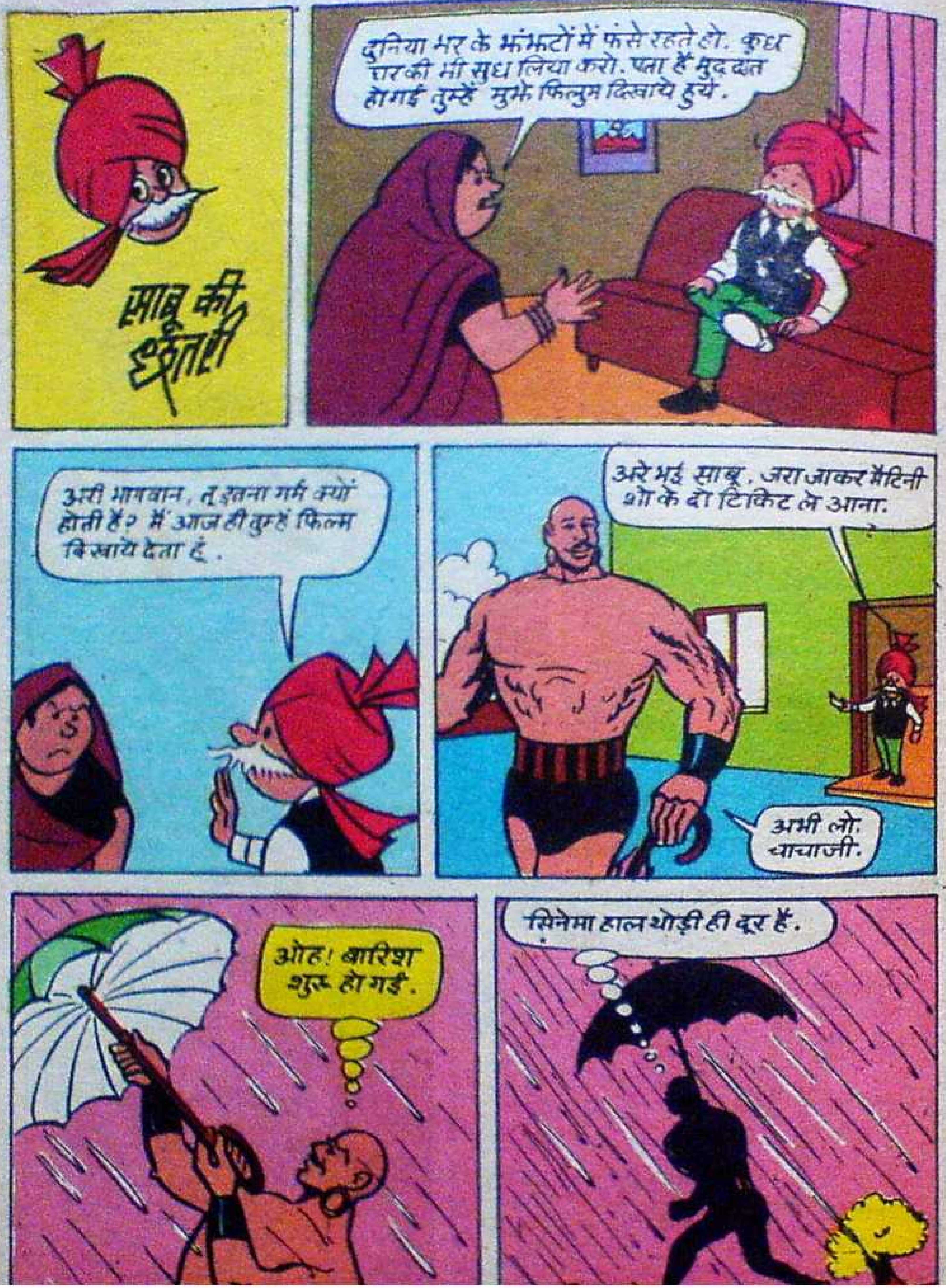
साबू की छतरी
दुनिया भर के झंझटों में फंसे रहते हो. कुछ घर की भी सुध लिया करो. पता है मुद्दत हो गई तुम्हें मुझे फिलुम दिखाये हुये.
अरी भागवान, तू इतना गर्म क्यों होती है? मैं आज ही तुम्हें फिल्म दिखाये देता हूं.
अरे भई साबू, जरा जाकर मैटिनी शो के दो टिकिट ले आना.
अभी लो, चाचाजी.
ओह! बारिश शुरू हो गई.
सिनेमा हाल थोड़ी ही दूर है.

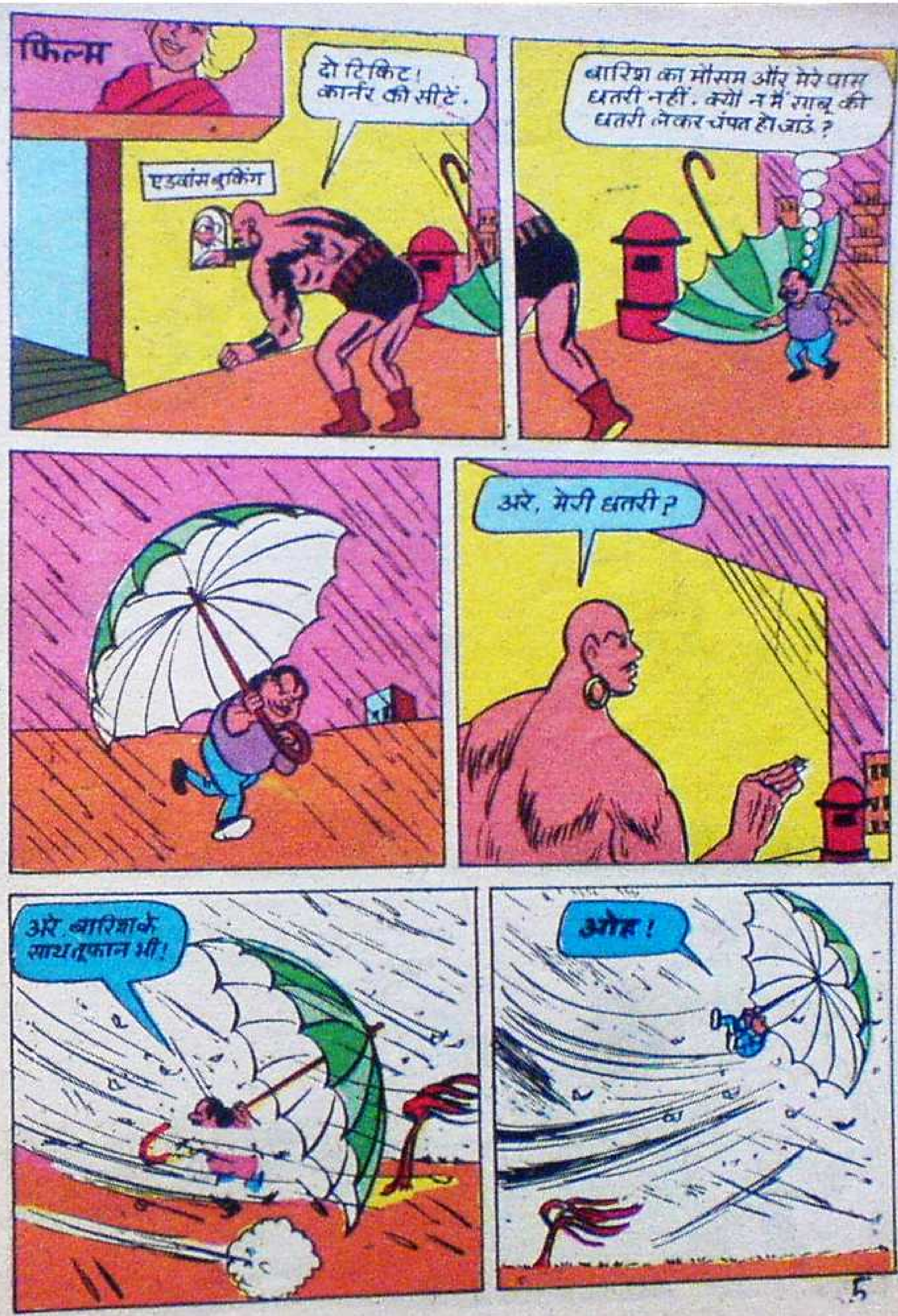
फिल्म
एडवांस बुकिंग
दो टिकिट! कार्नर की सीटें.
बारिश का मौसम और मेरे पास छतरी नहीं. क्यों न मैं साबू की छतरी लेकर चंपत हो जाऊं?
अरे, मेरी छतरी?
अरे, बारिश के साथ तूफान भी!
ओह!

अरे देखो, बादलों में कौन उड़ा जा रहा है.
छतरी उसे उड़ाये लिये जा रही है.
शुक्र है हवा थम गई अब मैं नीचे की ओर जा रहा हूं.
छपाक!
ओह, कीचड़
मेरी तौबा! अब मैं साधू की किसी चीज को हाथ नहीं लगाऊंगा.

कहानी छेदीलाल की
अरे छोटे!
हां, लोटे!
क्यों न हम छेदीलाल की गठरी हथिया लें?
मैं रस्सी लटका कर गठरी ऊपर खींच लेता हूं.
ठीक है.
ओह, यह क्या?
अगर मैंने हाथ छोड़े तो हड्डी पसली टूट जायेगी.
अरे गठरी के साथ छेदीलाल भी आ गया!

©PRAN'S FEATURES 1981

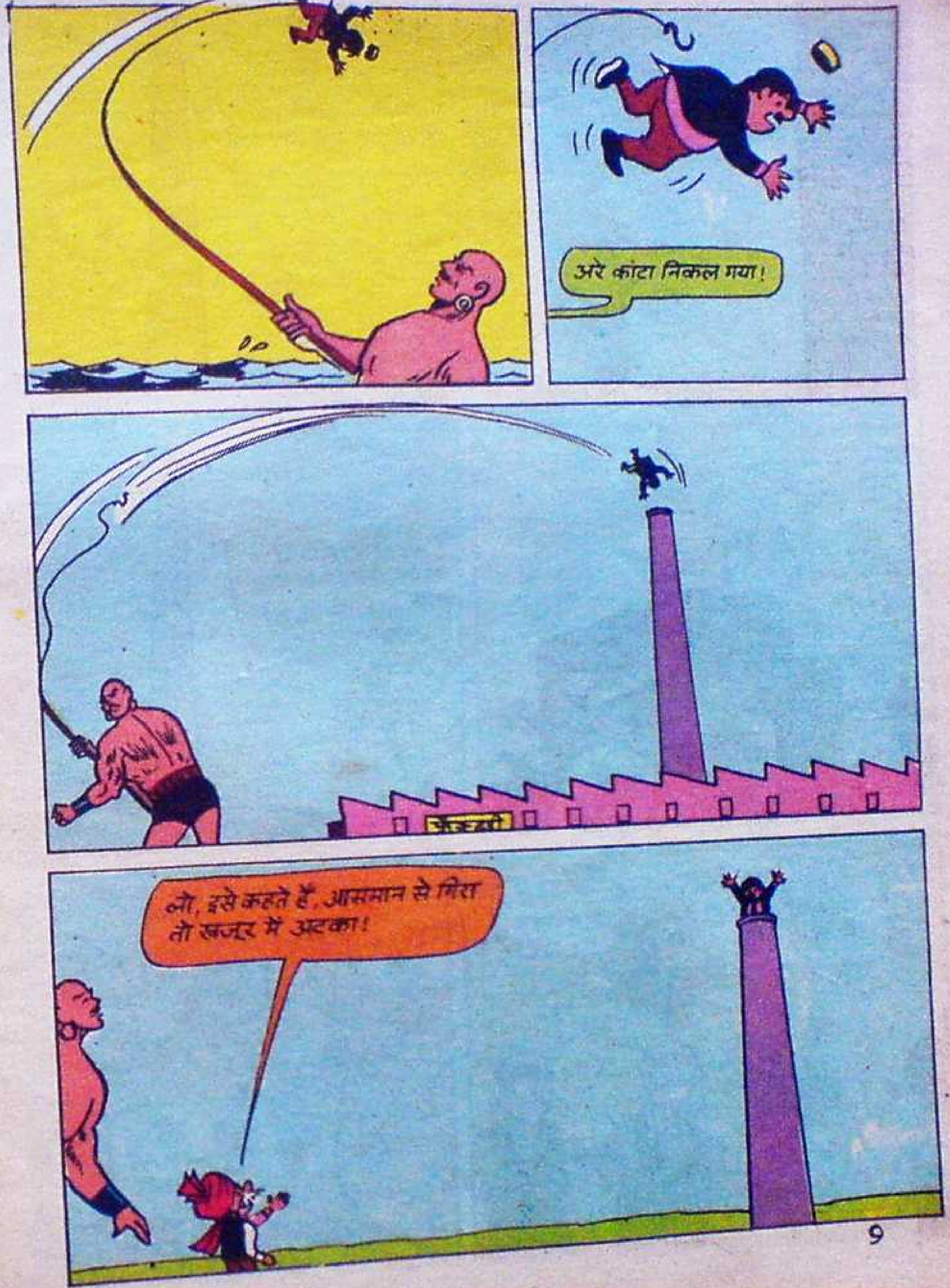

छेदीलाल फैक्ट्री की चिमनी में फंस गया है.
चाचाजी. मुझे निकालो!
फैक्ट्री के कर्मचारी.
गोविंदा आओ भट्ठी जलायें.
अरे र र र ऐसा न करना.
भट्ठी की चिमनी में छेदीलाल फंस गया है. वह जल कर मर जायेगा.
तो उसे जल्दी निकालो. अगर हमारी भट्टी न जली तो उस से हमारे उत्पादन में कमी आ जायेगी.
साबू! जरा छेदीलाल को निकालना.

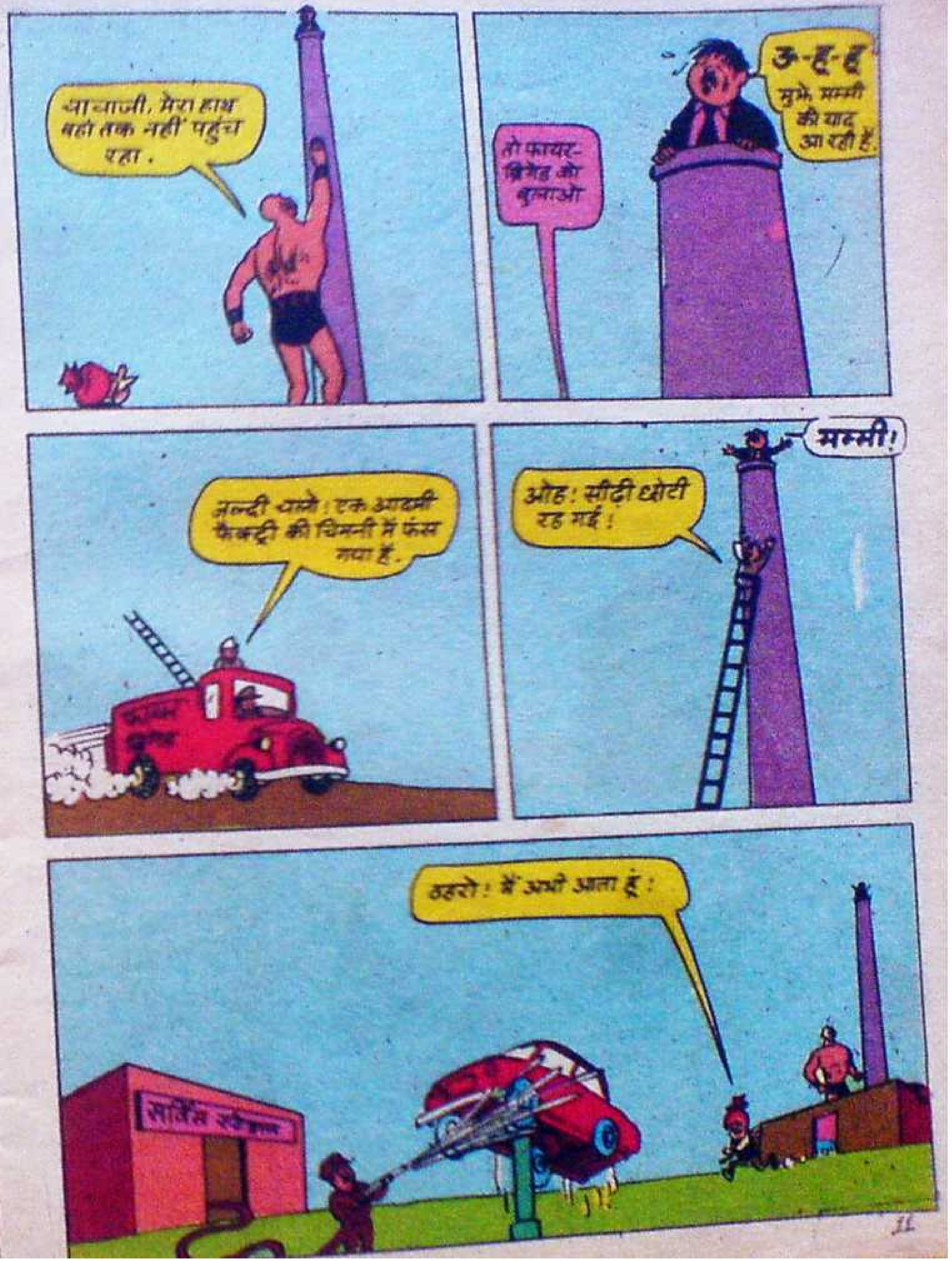
चाचाजी, मेरा हाथ वहां तक नहीं पहुंच रहा.
तो फायर-ब्रिगेड को बुलाओ
ऊ-हू-हू
मुझे मम्मी की याद आ रही है.
जल्दी चलो! एक आदमी फैक्ट्री की चिमनी में फंस गया है.
मम्मी!
ओह! सीढ़ी छोटी रह गई!
ठहरो! मैं अभी आता हूं!
सर्विस स्टेशन

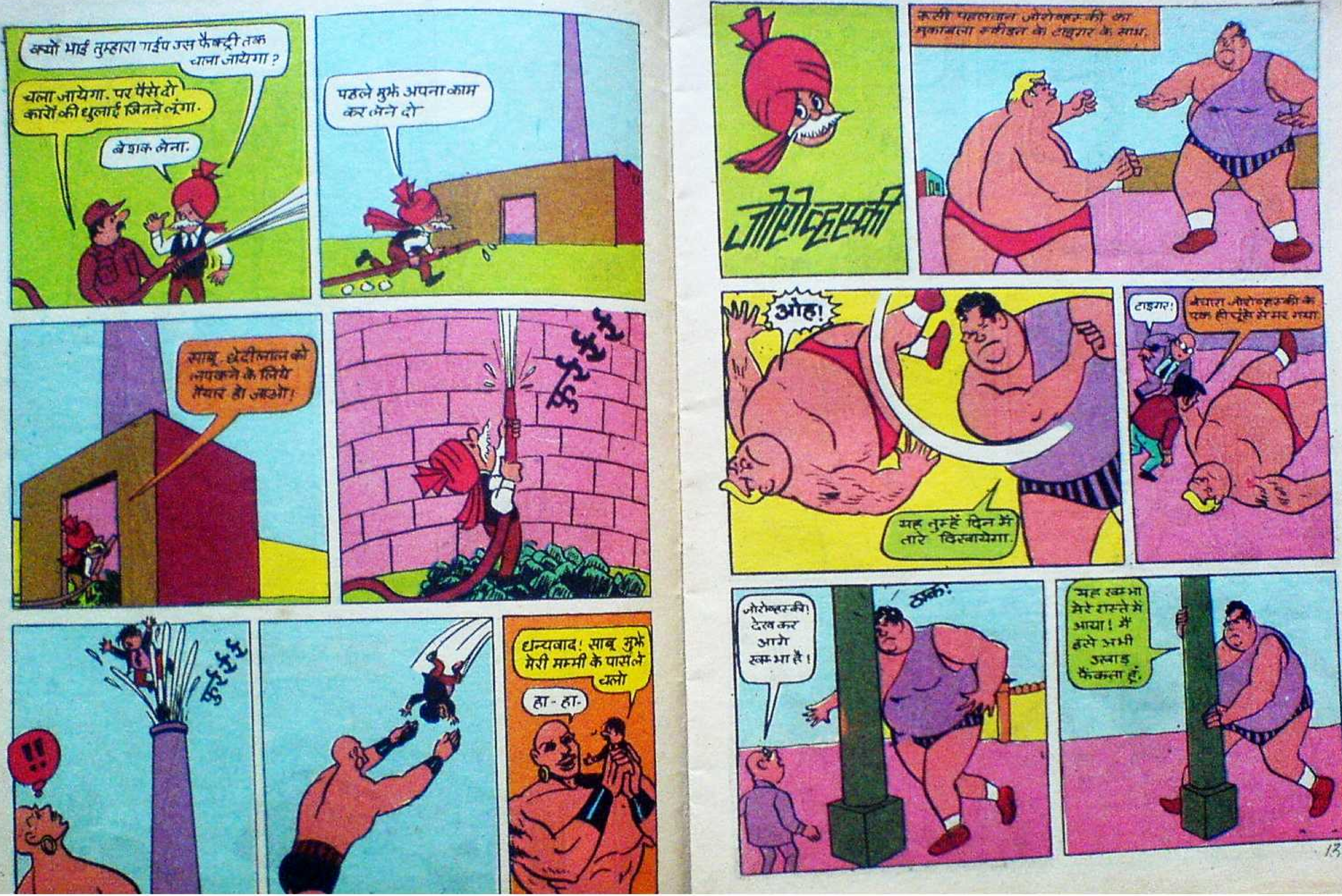
क्यों भाई तुम्हारा पाईप उस फैक्ट्री तक चला जायेगा ?
चला जायेगा. पर पैसे दो कारों की धुलाई जितने लूंगा.
बेशक लेना.
पहले मुझे अपना काम कर लेने दो
साबू, छेदीलाल को लपकने के लिये तैयार हो जाओ!
फरर्र
धन्यवाद! साबू मुझे मेरी मम्मी के पास ले चलो
हा-हा-
!!
रूसी पहलवान जोरोव्हस्की का मुकाबला स्वीडन के टाइगर के साथ.
जोरोव्हस्की
ओह!
यह तुम्हें दिन में तारे दिखायेगा.
टाइगर!
ठक!
जोरोव्हस्की! देख कर आगे खम्भा है!
यह खम्भा मेरे रास्ते में आया! मैं इसे अभी उखाड़ फेंकता हूं.

जोरोव्हस्की ने सीमेंट से गढ़ा खम्भा उखाड़ दिया!
आश्चर्य! विश्वास नहीं होता.
जोरोव्हस्की शायद दुनियां का सबसे ताकतवर आदमी है.
अच्छा, अब मैं अपने घर चला.
पर उधर किधर? आगे तो किले की मोटी दीवार है.
दीवार को तोड़ना मुझे आता है, देखो!
तड़ाक!
दीवार के दूसरी तरफ...
??
!!

तुम्हें इस तरह किले की दीवार नहीं तोड़नी चाहिये थी.
बदतमीज! मुझसे जुबान लड़ाता है?
ठहर, दूसरे घूंसे से तेरी खोपड़ी भी तोड़ डालता हूं!
यह इतना आसान नहीं.
ओह! साबू ने जोरोव्हस्की को उठा लिया.
अब थोड़ी देर पानी में रहो. दिमाग ठंडा हो जायेगा.

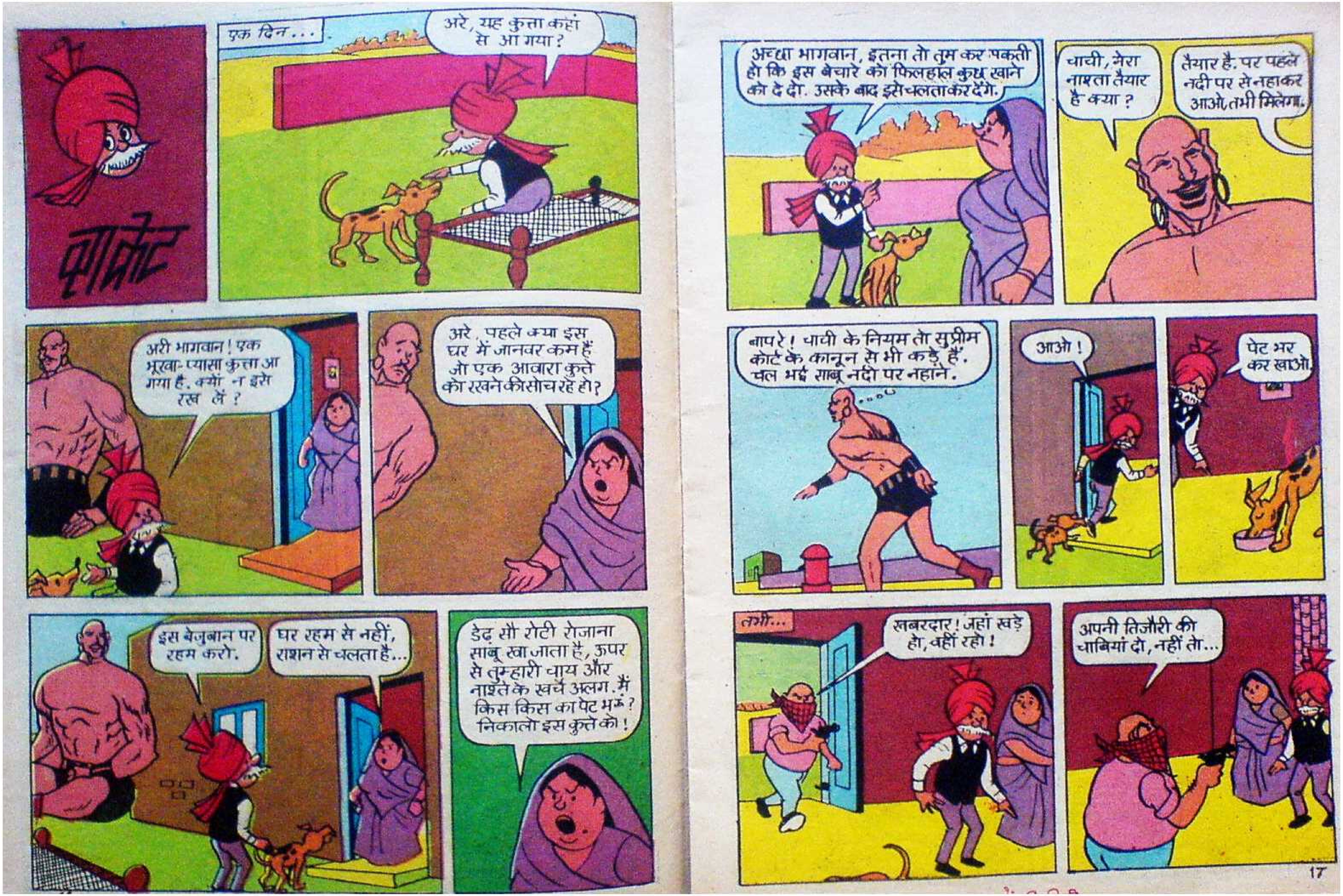

एक दिन...
अरे, यह कुत्ता कहां से आ गया?
अरी भागवान! एक भूखा-प्यासा कुत्ता आ गया है. क्यों न इसे रख लें?
अरे, पहले क्या इस घर में जानवर कम हैं जो एक आवारा कुत्ते को रखने की सोच रहे हो?
इस बेजुबान पर रहम करो.
घर रहम से नहीं, राशन से चलता है...
डेढ़ सौ रोटी रोजाना साबू खा जाता है, ऊपर से तुम्हारी चाय और नाश्ते के खर्चे अलग. मैं किस किस का पेट भरूं? निकालो इस कुत्ते को!
अच्छा भागवान, इतना तो तुम कर सकती हो कि इस बेचारे को फिलहाल कुछ खाने को दे दो. उसके बाद इसे चलता कर देंगे.
चाची, मेरा नाश्ता तैयार है क्या?
तैयार है. पर पहले नदी पर से नहाकर आओ, तभी मिलेगा.
बाप रे! चाची के नियम तो सुप्रीम कोर्ट के कानून से भी कड़े हैं. चल भई साबू नदी पर नहाने.
आओ!
पेट भर कर खाओ.
तभी...
खबरदार! जहां खड़े हो, वहीं रहो!
अपनी तिजौरी की चाबियां दो, नहीं तो...

तुमने सुना नहीं! चाबियां निकालो!
ओह!
उफ्फ!
दिशु!
मिस्टर, तुमने पेट भर लिया, अब रास्ता नापो!
नहीं, अब यह कहीं नहीं जायेगा.
इसने हमें लुटने से बचाया है. इसलिये आज से यह भी हमारे परिवार का सदस्य बन गया.
अच्छा? पर इस नये सदस्य का नाम क्या रखें?
राकेट! क्योंकि इसने राकेट की तरह उछलकर डाकू को धर दबोचा थी.

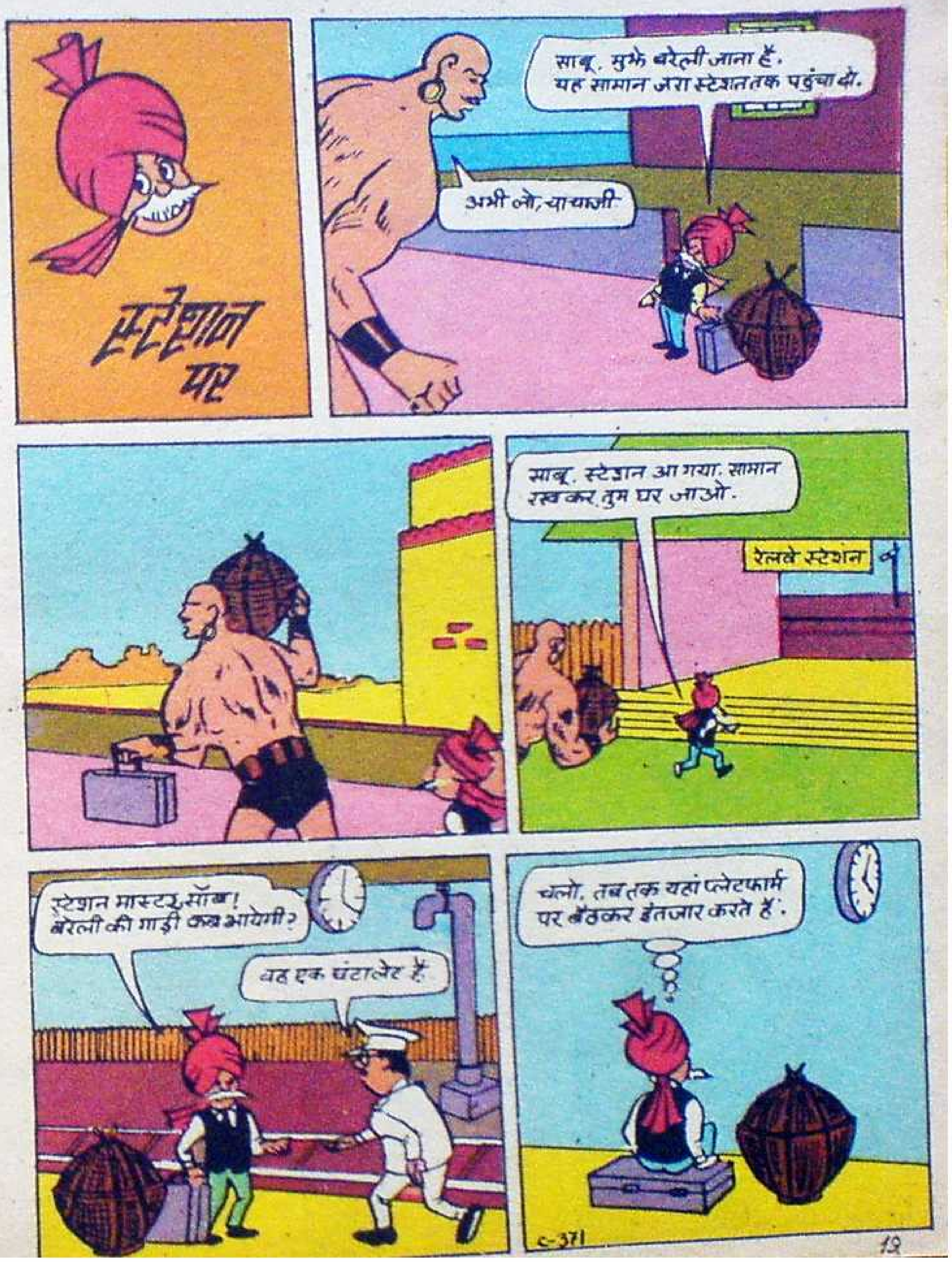

स्टेशन पर
साबू, मुझे बरेली जाना है. यह सामान जरा स्टेशन तक पहुंचा दो.
अभी लो, चाचाजी
साबू, स्टेशन आ गया. सामान रख कर, तुम घर जाओ.
रेलवे स्टेशन
स्टेशन मास्टर साब! बरेली की गाड़ी कब आयेगी?
वह एक घंटा लेट है.
चलो, तब तक यहां प्लेटफार्म पर बैठकर इंतजार करते हैं.
c-371

लंगर!
हां उम्बर!
क्यों न हम उस मुसाफिर का टोकरा उड़ा दें?
उसमें क्या है?
मुरगियां! सफर में उड़कर भाग न जायें, इसलिये उन्हें टोकरे में बंद कर के ले जाते हैं.
लंगर, तू उस मुसाफिर को बातों में लगा. पीछे से मैं वह मुरगियों का टोकरा पार कर दूंगा.
गाड़ी का इंतजार करते करते भूख लग आई होगी. लीजिये, समोसे खाईये.
आप?
मेरे और आपके दादाजान क्लास फैलोज़ थे. हम दोनों भी दोस्त हुये न?
अच्छा, तुम कहते हो तो खा लेता हूं.
लीजिये, कोल्ड ड्रिंक पीजिये.
वाह! तरावट आ गई.

अरे मेरा टोकरा?
और वह मेरे पुश्तैनी दोस्त? वह भी गायब?
अभी अभी मैंने दो आदमियों को तुम्हारा टोकरा लेकर भागते देखा है.
कोई बात नहीं.
उम्बर, आओ अब इसे खोल कर मुरगियां निकालें.
भौं-भौं
ओह!
बाप रे!
रॉकेट! आओ गाड़ी आने वाली है.
रास्ते में इसे देखकर दूसरे कुत्ते न भौंकें, इसलिये मैंने इसे टोकरे में बंद कर दिया था.
© PRAN'S FEATURES

कांस्टेबल फीताराम
धंदीलाल ने अपनी कार पोस्ट आफिस के सामने खड़ी की.
कुछ पोस्टकार्ड खरीद लिये जायें.
पोस्ट आफिस
पोस्ट आफिस
जब तक वह पोस्टकार्ड खरीदे, क्यों न मैं उसकी कार ले उड़ूं! काफी पैसों में बिकेगी.
अरे मेरी कार!
पोस्ट आफिस
घर्रर्र!
कांस्टेबल! एक बदमाश मेरी कार ले उड़ा!
मैं उसे पकड़ूं तो सही पर पैदल कैसे?

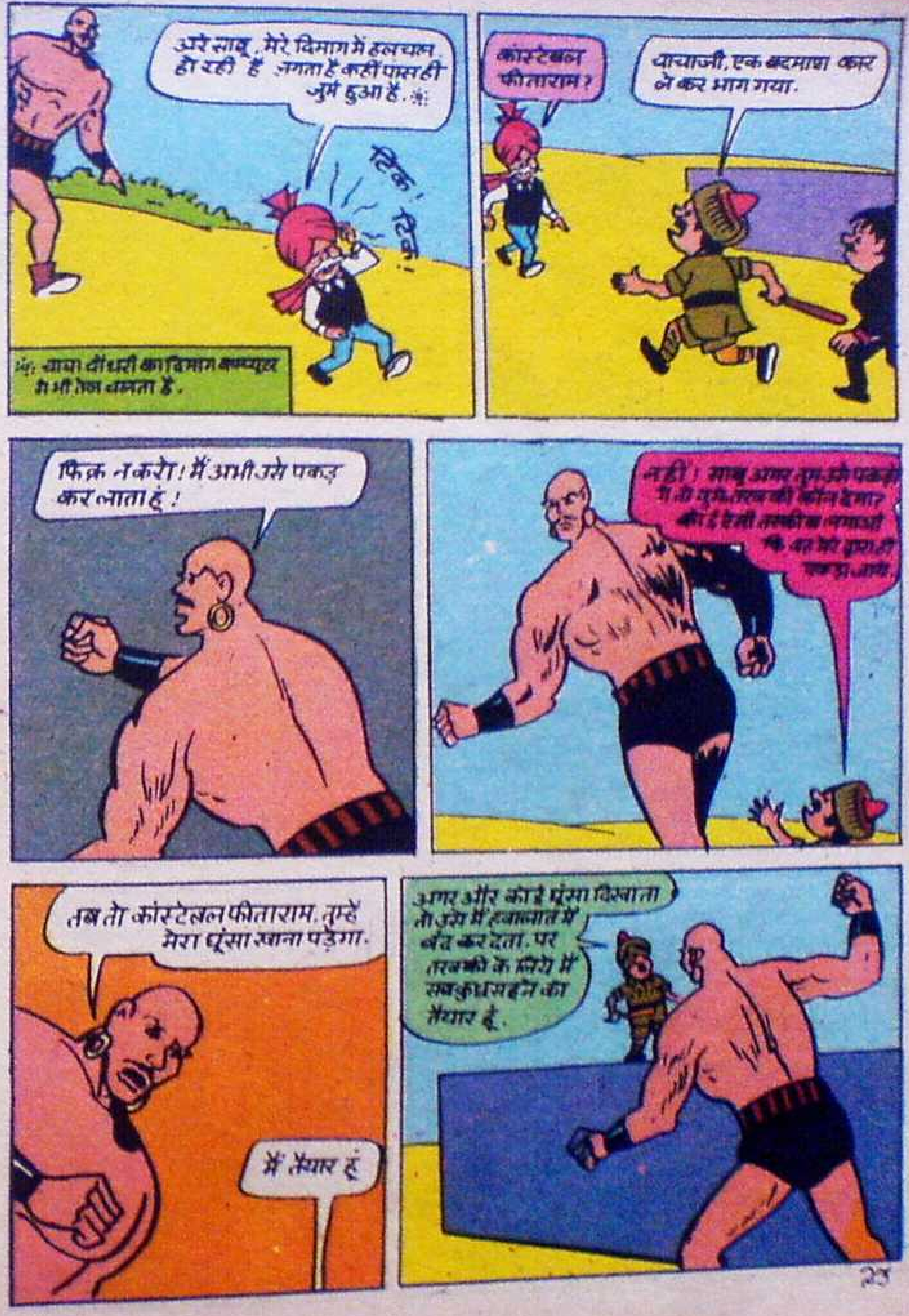
अरे साबू, मेरे दिमाग में हलचल हो रही है लगता है कहीं पास ही जुर्म हुआ है.
टिक! टिक!
*: चाचा चौधरी का दिमाग कम्प्यूटर से भी तेज चलता है.
कांस्टेबल फीताराम?
चाचाजी, एक बदमाश कार ले कर भाग गया.
फिक्र न करो! मैं अभी उसे पकड़ कर लाता हूं!
तब तो कांस्टेबल फीताराम, तुम्हें मेरा घूंसा खाना पड़ेगा.
मैं तैयार हूं.
अगर और कोई घूंसा दिखाता तो उसे मैं हवालात में बंद कर देता. पर तरक्की के लिये मैं सब कुछ सहने को तैयार हूं.

ढिशुं
धड़ाम!
कार रोको!
ताड़!
कांस्टेबल फीताराम, तुमने बहादुरी से उस कार को पकड़ा. तुम्हें हेडकांस्टेबल बनाया जाता है. पर यह तुम्हारा गाल क्यों सूजा हुआ है?
पुलिसस्टेशन
सर! इसको रहस्य ही रहने दें तो अच्छा है.

डबल डेकर
अरे कस्तूरीलाल क्या बात है? घबराये हुये नजर आ रहे हो.
चाचाजी मिस्टर डीज़ल ने यह चिट्ठी भेजी है कि वह आज मेरी डबलडेकर चुरा ले जायेगा.
हैं?? यह कैसा चोर है जो चिट्ठी लिखकर पहिले सूचना दे देता है?
मिस्टर डीज़ल कारों का इंटरनेशनल चोर है. एक बार उसने होनोलूलू के प्रेसिडेंट समेत कार को चुरा लिया था. वह जो कहता है, करके छोड़ता है.
साबू, जाओ और कस्तूरीलाल की डबलडेकर पर दिनरात पहरा दो.
मशहूर ठग मिस्टर डीज़ल---
उस्ताद डीज़ल, अब क्या होगा? चाचा चौधरी ने साबू की ड्यूटी डबलडेकर पर नजर रखने की लगा दी है.

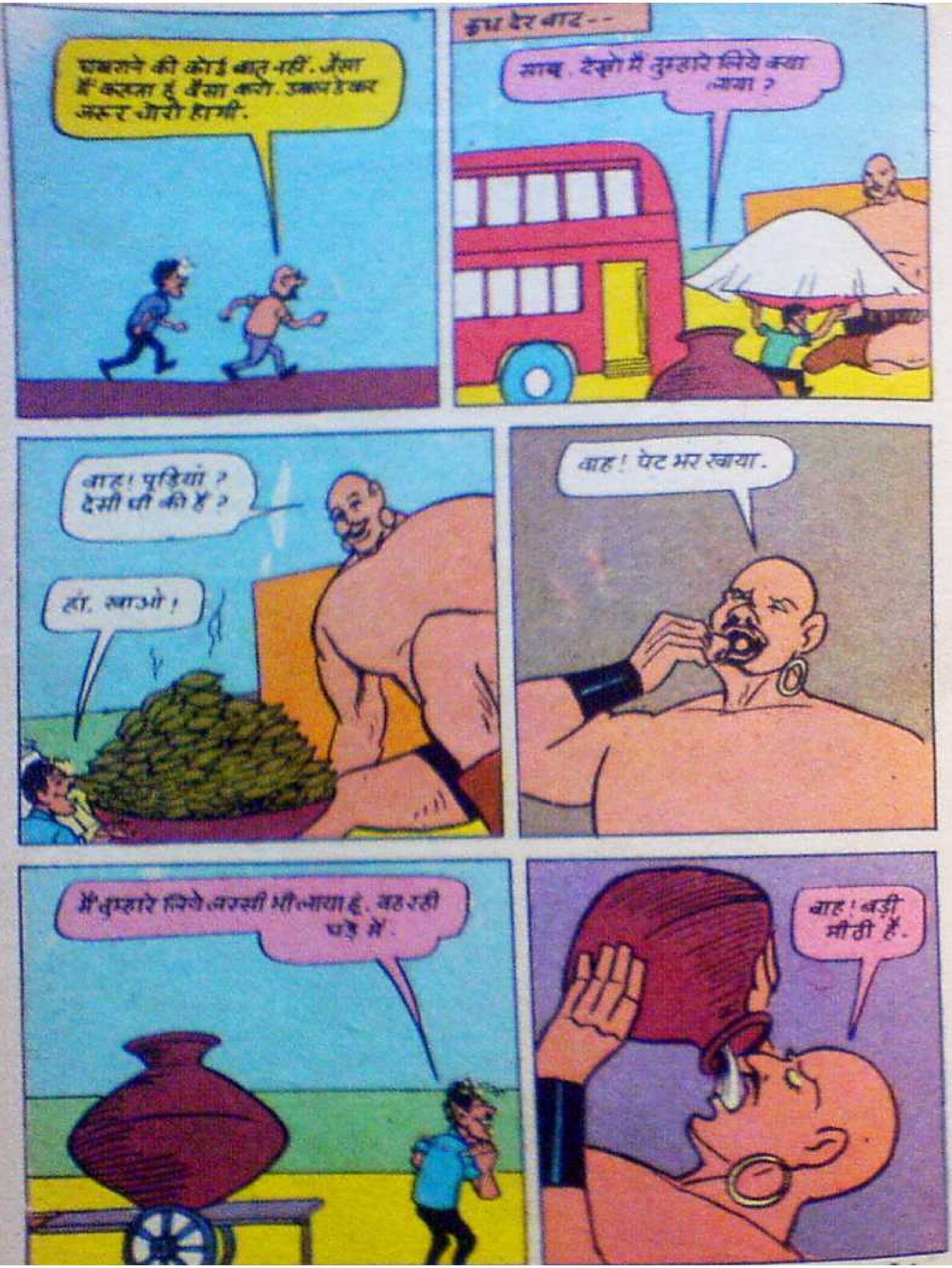
घबराने की कोई बात नहीं. जैसा मैं करता हूं वैसा करो. डबल डेकर ज़रूर चोरी होगी.
कुछ देर बाद --
साबू, देखो मैं तुम्हारे लिये क्या लाया ?
वाह! पूड़ियां ? देसी घी की हैं ?
हां, खाओ !
वाह! पेट भर खाया.
मैं तुम्हारे लिये लस्सी भी लाया हूं. वह रखी घड़े में.
वाह! बड़ी मीठी है.

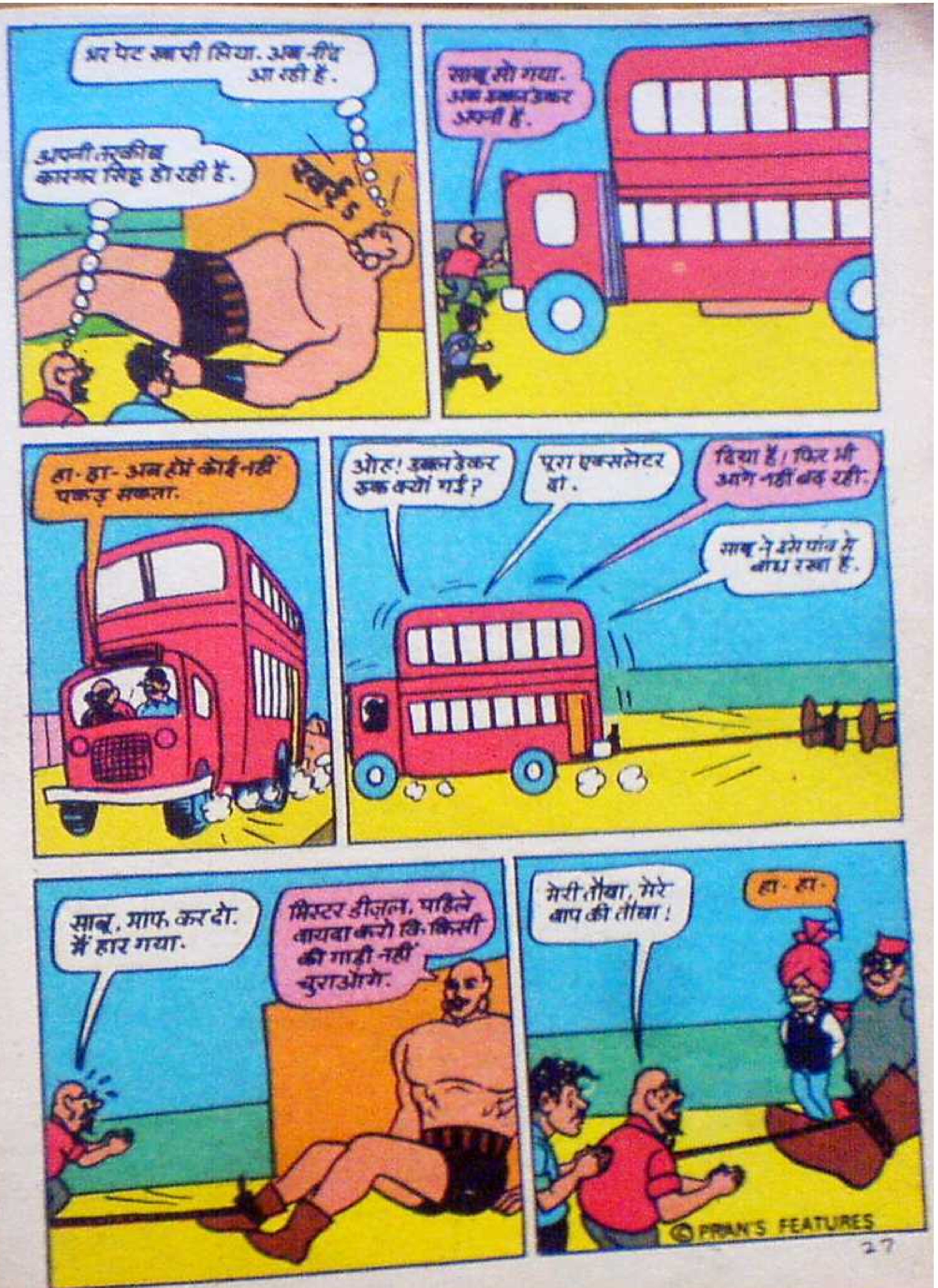
भर पेट खा पी लिया. अब नींद आ रही है.
अपनी तरकीब कारगर सिद्ध हो रही है.
साबू सो गया. अब डबल डेकर अपनी है.
हा-हा- अब हमें कोई नहीं पकड़ सकता.
ओह! डबल डेकर रुक क्यों गई ?
पूरा एक्सलेटर दबा.
दिया है। फिर भी आगे नहीं बढ़ रही.
साबू ने इसे पांव से बांध रखा है.
साबू, माफ कर दो. मैं हार गया.
मिस्टर डीज़ल, पहिले वायदा करो कि किसी की गाड़ी नहीं चुराओगे.
मेरी तौबा, मेरे बाप की तौबा !
हा-हा-
© PRAN'S FEATURES

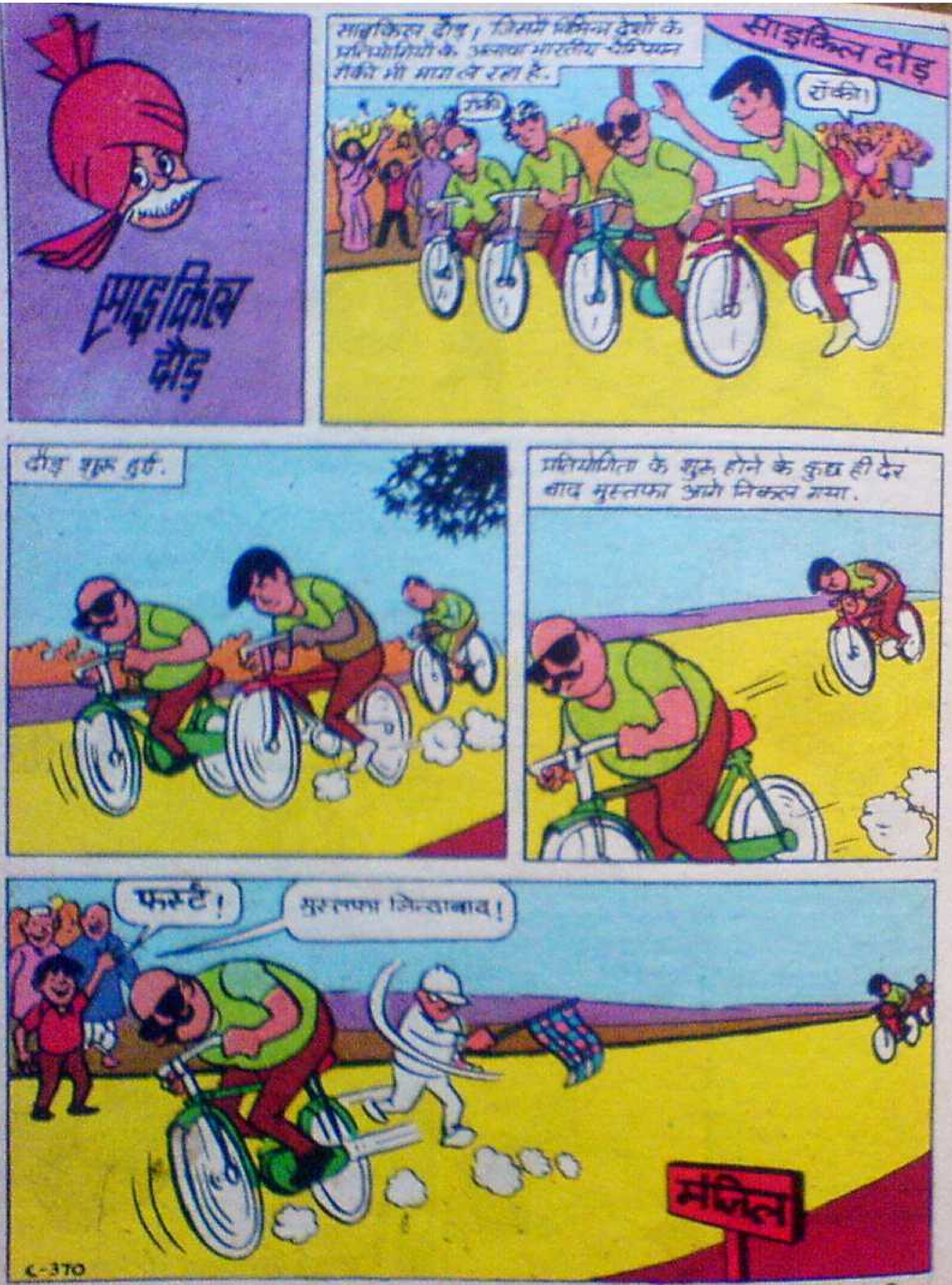
साइकिल दौड़
साइकिल दौड़, जिसमें विभिन्न देशों के प्रतियोगियों के अलावा भारतीय चैम्पियन रॉकी भी भाग ले रहा है.
साइकिल दौड़
रॉकी
रॉकी!
दौड़ शुरू हुई.
प्रतियोगिता के शुरू होने के कुछ ही देर बाद मुस्तफा आगे निकल गया.
फर्स्ट!
मुस्तफा जिन्दाबाद!
मंजिल

इस हार की बदनामी से तो मर जाना ही बेहतर है.
अरे र! नौजवान, ठहरो!
मुझे मत रोको!
मैं आजतक कोई भी साइकिल रेस नहीं हारा लेकिन टर्की का एक मामूली आदमी मुझसे बाजी मार गया. अब जिंदा रहने से क्या फायदा?
हिम्मत से काम लो. अगली साइकिल दौड़ कब है?
कल.
बस, गले से फंदा उतार दो. कल की साइकिल दौड़ देखने मैं भी आऊंगा.
दूसरे दिन... ... साइकिल दौड़ शुरू होने वाली है.
मुस्तफा, एक मिनिट! जरा मैं तुम्हारी साइकिल देखना चाहता हूं.
क्यों?
अभी पता चल जाता है.
चाचा चौधरी मुस्तफा की साइकिल का चेन कवर खोलता है.
चाचा चौधरी का दिमाग कम्प्यूटर से भी तेज चलता है.

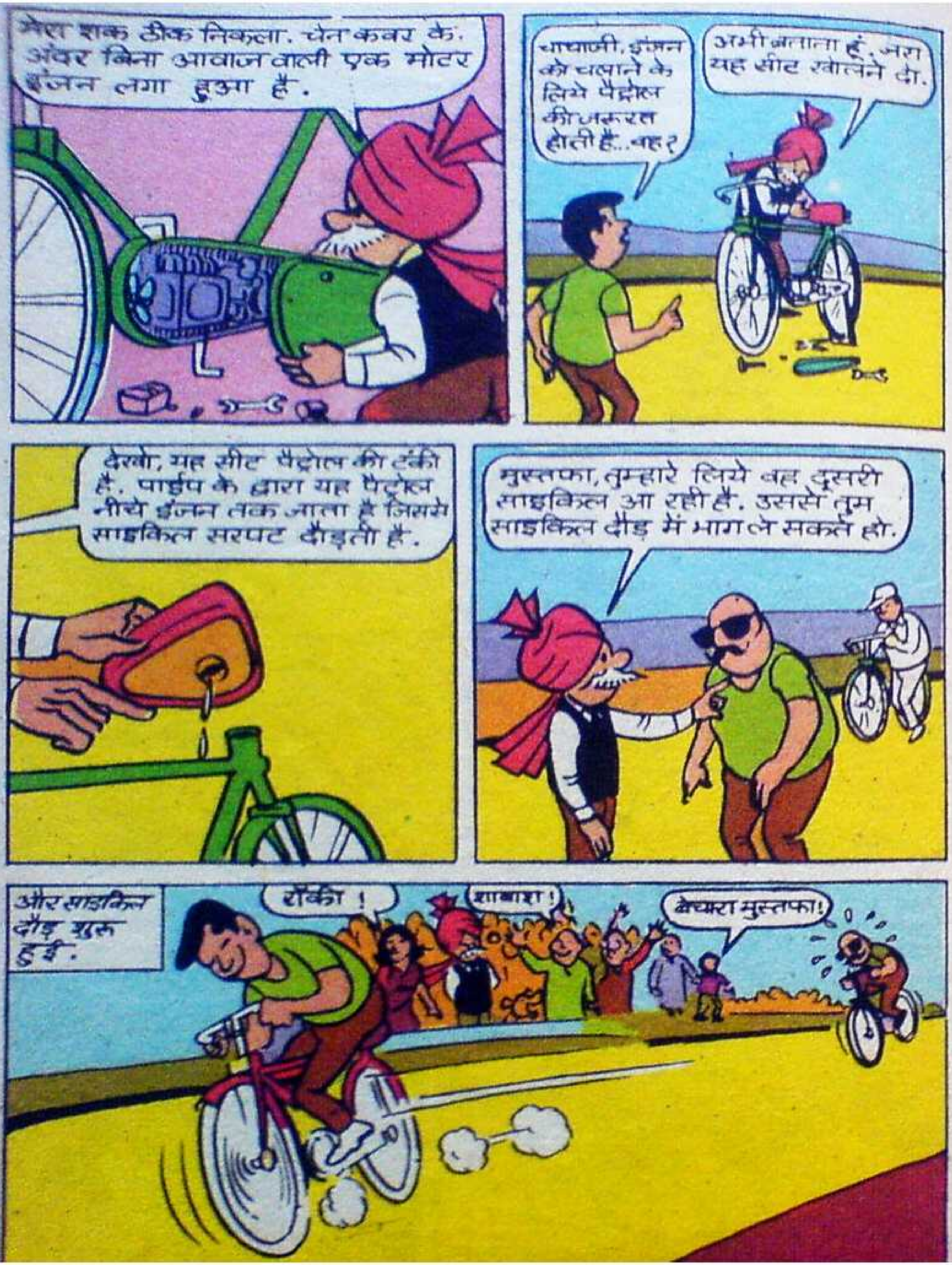
मेरा शक ठीक निकला. चेन कवर के अंदर बिना आवाज वाली एक मोटर इंजन लगा हुआ है.
चाचाजी, इंजन को चलाने के लिये पैट्रोल की जरूरत होती है...वह?
अभी बताता हूं, जरा यह सीट खोलने दो.
देखो, यह सीट पैट्रोल की टंकी है. पाईप के द्वारा यह पैट्रोल नीचे इंजन तक जाता है जिससे साइकिल सरपट दौड़ती है.
मुस्तफा, तुम्हारे लिये वह दूसरी साइकिल आ रही है. उससे तुम साइकिल दौड़ में भाग ले सकते हो.
और साइकिल दौड़ शुरू हुई.
रॉकी!
शाबाश!
बेचारा मुस्तफा!

चाची का हलुआ
चाची, आज तो हलुआ खाने को दिल कर रहा है
हां, भागवान!
ठीक है, जाओ नदी से नहा कर आओ, तब तक मैं हलुआ बनाती हूं.
चलो!
अब हलुआ तैयार करूं.
बुरी आदतें पड़ गई हैं इन सबको. इतनी महंगाई में भी खायेंगे तो देसी घी का हलुआ, वर्ना नहीं.

बहन क्या बना रही हो ?
हलुआ!
कोई बारात आ रही है ?
नहीं, साबू के लिये.
जरा मेरे घर चलो और रुई धुनने में मेरी मदद करो.
अभी आग बुझा कर चलती हूं.
चलो. इनके नहा कर आने से पहले ही लौट आऊंगी.
कुछ दूर...
बाकू! हम कैसे मानें कि तुम विश्व के सबसे बड़े सेंधमार हो?
मैंने अमरीका के सरकारी खजाने पर कड़ा पहरा होते हुये भी उसे चुरा लिया था.
इतना बड़ा काम तो नहीं, हां, अगर तुम चाचा चौधरी के घर से माल चुरा कर दिखाओ तो मान जायें गुरु!
चलो, मुझे उसका घर दिखाओ.
यह रहा उसका घर! अलीगढ़ी ताला लगा है और खिड़कियां हैं बंद!

तो क्या हुआ! मैं पिछले पाईप से ऊपर चढ़ जाता हूं.
छत को फोड़ने के लिये ड्रिल मेरे पास हमेशा रहती है.
छत में छेद हो गया. अब यहां से अंदर घुसा जा सकता है.
धप्प पप!
ओह!
चाची, हम नहा आये. हलुआ तैयार है ?
अभी ताला खोल कर देती हूं.
??
मुझे निकालो!
© PRAN'S FEATURES

दादा 404
इटली का दादा 404 ...
गोबर सिंह, दूमने हमको भारत क्यों बुलाया ?
एक आदमी को मरवाना हैं.
बसएक आदमी ? गोबरसिंह! दूमने हमारा टाइम बरबाद किया. जानता नहीं हम बैंक लूटता है, पुल तोड़ता है, सरकारें बदलता है और रेलवे लाईनें उड़ाता है. हम मामूली एक आदमी नहीं मारता.
404, वह मामूली आदमी नहीं है. बल्कि चाचाचौधरी है जिसके आगे हमारी सब बंदूकें और तोपें फेल हो चुकी हैं.
किधर है वह ?
वह हर रोज इस पार्क में ठीक आठ बजे आकर अखबार पढता है.
आलराईट! हमने कुर्सी के नीचे टाइमबम रख दिया है.

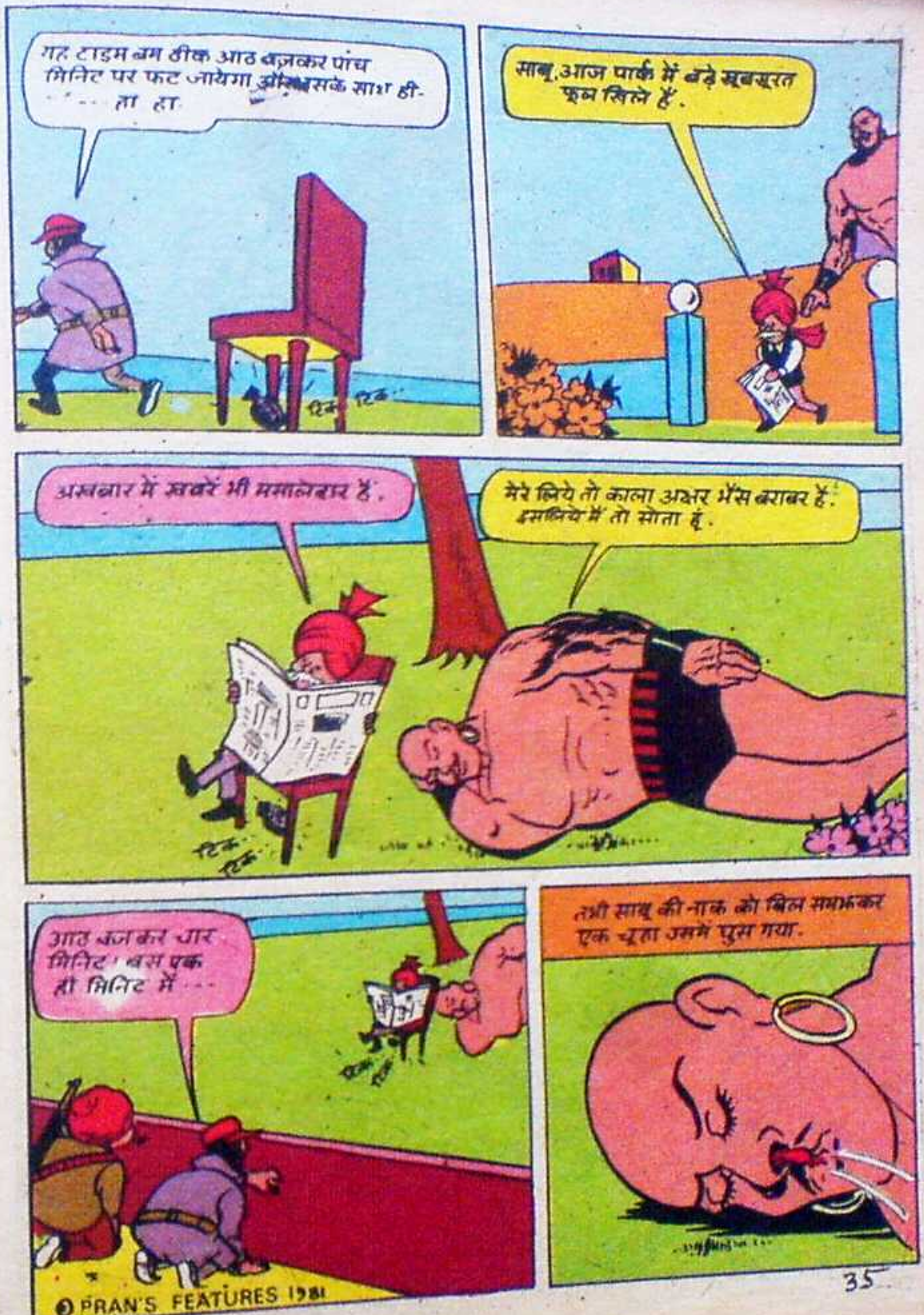
गह टाइम बम ठीक आठ बजकर पांच मिनिट पर फट जायेगा ...सके साथ ही- ... हा हा
साबू, आज पार्क में बड़े खूबसूरत फूल खिले हैं.
अखबार में खबरें भी मसालेदार हैं.
मेरे लिये तो काला अक्षर भैंस बराबर है. इसलिये मैं तो सोता हूं.
आठ बजकर चार मिनिट! बस एक ही मिनिट में ...
तभी साबू की नाक को बिल समझकर एक चूहा उसमें घुस गया.
© PRAN'S FEATURES 1981

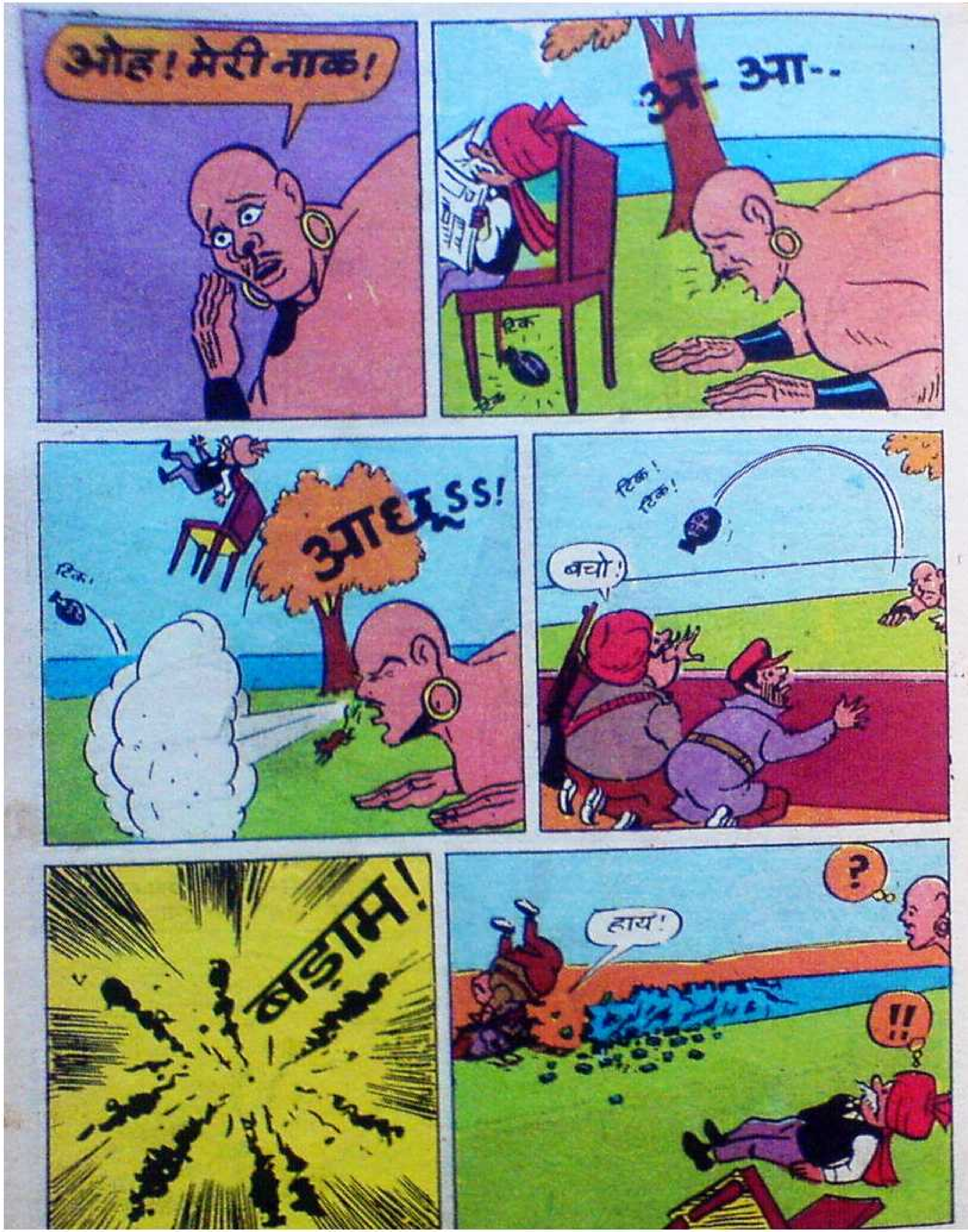
ओह! मेरी नाक!
अ- आ--
टिक
आक्छूss!
टिक.
टिक!
टिक!
बचो!
बड़ाम!
हाय!
?
!!

शतरंज का खिलाड़ी
गोबरसिंह और धमाकासिंह.
सरदार, इस शीशी में क्या है?
दस्त लाने की तेज दवाई.
लेकिन आप को इस की क्या जरूरत पड़ गई?
कल शतरंज की चैम्पियनशिप का टूर्नामेंट हो रहा है.
वैसे तो मैं चाचा चौधरी से जीत नहीं सकता. क्यों न उसे इस दवाई की दो बूंदें पिला दी जायें ताकि वह टूर्नामेंट में भाग ले ही न सके और मैं चैम्पियन बन जाऊं.
वाह!
जाओ, चाचा चौधरी को चाय पर बुला कर लाओ.
310-C

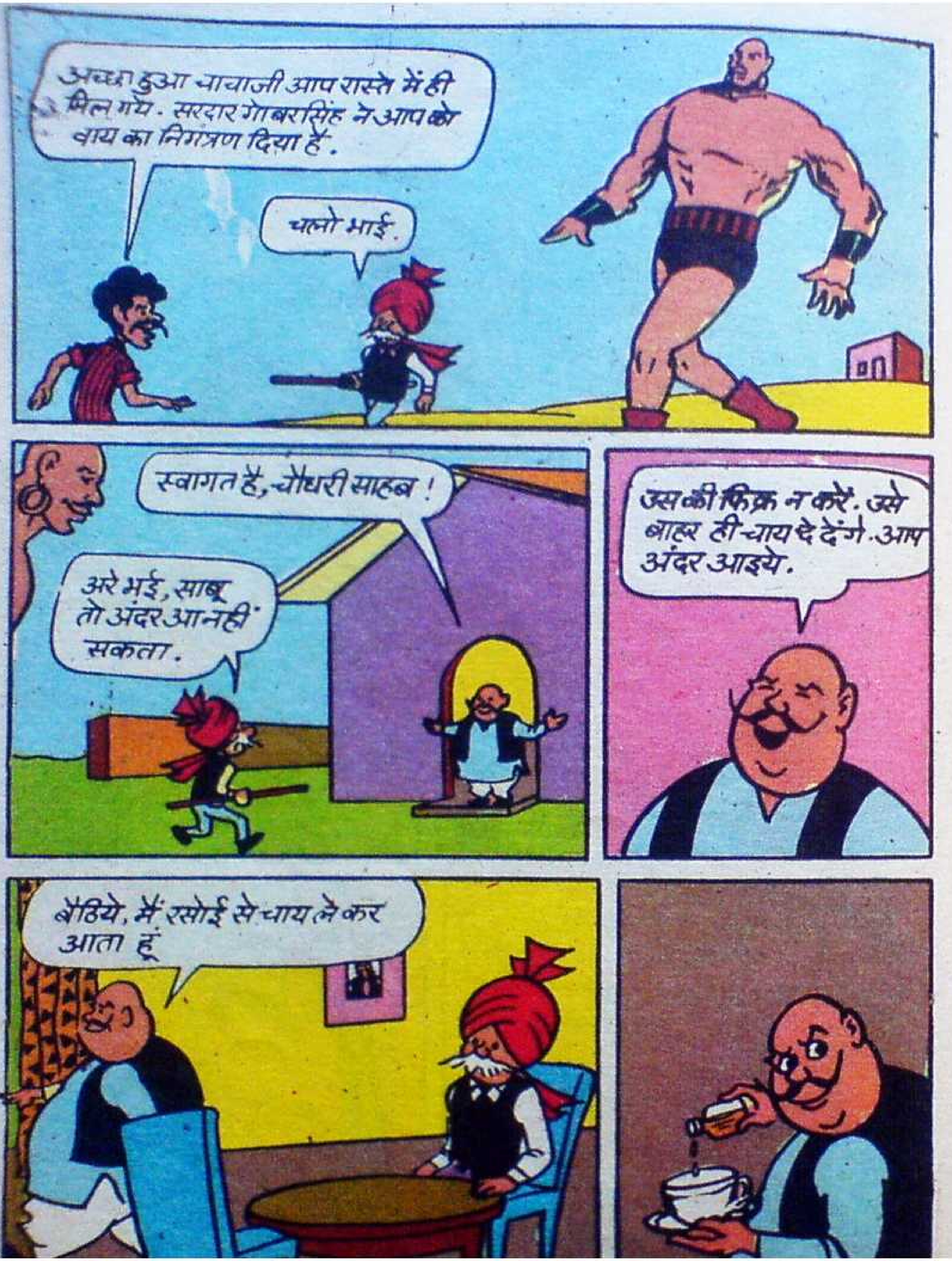
अच्छा हुआ चाचाजी आप रास्ते में ही मिल गये. सरदार गोबरसिंह ने आप को चाय का निमंत्रण दिया है.
चलो भाई.
स्वागत है, चौधरी साहब!
अरे भई, साबू तो अंदर आ नहीं सकता.
उस की फिक्र न करें. उसे बाहर ही चाय दे देंगे. आप अंदर आइये.
बैठिये, मैं रसोई से चाय ले कर आता हूं.

चौधरी साहब, शुरू कीजिये.
गोबरसिंह, तुम तो जानते हो, मैं चाय में चीनी ज्यादा पीता हूं.
यह कौन सी बड़ी बात है? रसोई से मैं अभी चीनी ले कर आता हूं.
लीजिये, जितना दिल चाहे डालिये.
वाह! चाय सचमुच बड़ी अच्छी बनी है.
इस का पता आप को थोड़ी देर बाद चलेगा, जबदरत जोगें.
दूसरे दिन.
शतरंज चैम्पियनशिप टूर्नामेंट
अरे धमाकासिंह, गोबरसिंह कहां है? शतरंज टूर्नामेंट का टाइम निकला जा रहा है.
वह कल से ही टायलेट में बैठा हुआ है. उसे दस्त लग गये हैं.
चाचाजी, दवाई तो उसने आप की चाय में डाली थी, फिर उसे दस्त कैसे लग गये?
जब वह चीनी लेने गया था तो मैं ने कप बदल दिये थे.
© PRAN'S FEATURES

चंदरू
अरे चंदरू, यह क्या कर रहे हो?
पैसा कमाने का धंधा.
मैं ने यह पुतला लटका दिया है. पेड़ के पीछे से हम बोलेंगे, .. बचाओ!
बचाओ!
राहगीर इस पुतले को असली आदमी समझेंगे और जब बचाने आयेंगे तो इस गड्ढे में गिर जायेंगे. उन का माल हमारा हो जायेगा.
इस गड्ढे को घासफूस से ढक दें ताकि दिखे नहीं.
चंदरू, एक आदमी आ रहा है.

बचाओ! डाकू मेरे गले में फांसी का फंदा डाल कर लटका गये हैं। - - -
फिक्र न करो! मैं अभी आया!
ओह!
हा- हा- अब उसका सारा माल हमारा.
थोड़ी देर बाद - - -
चंदरू, एक शिकार और आ रहा है.
© PRAN'S FEATURES 1981

बचाओ! डाकू मुझे फांसी पर लटका कर चले गये!
कितनी देर से तुम ऐसे लटके हो?
एक घंटे से.
एक घंटे से?
"चाचा चौधरी का दिमाग कम्प्यूटर से भी तेज चलता है."
राकेट! उस पेड़ के पीछे जाकर देखना कौन छिपे हैं?
भौं... भौं...
बाप रे! चंदरू, भागो!
भाग कर कहां जाते हो?
ओह!
उफ़!
बेवकूफो! फांसी पर लटका आदमी एक दो मिनिटों से ज्यादा जिंदा नहीं रह सकता. यहीं तुम गलती कर गये..

गरमी की छुट्टियां
चाचाजी, कहां जाने की तैयारी हो रही है?
गरमी की छुट्टियां आ गई हैं. मैंने सोचा कुछ दिन किसी हिल-स्टेशन पर बिता आयें.
चाचाजी, टा-टा!
वाह! क्या मजे का सफर है!
चाचाजी, कार यहीं खड़ी कर दो. अपना हिल-स्टेशन आ गया.

आगे हम पैदल ही जायेंगे.
वाह! पता नहीं उस स्पोर्ट्स वाले के पास मेरे नाप के रोलर्स हैं या नहीं?
जाकर पता कर आओ.
घाटी के नीचे एक होटल में
बेटा नहाले. कितना गंदा हो रहा है.
नहीं नहाऊंगा, नहीं नहाऊंगा..
क्या बात है बहिन जी?
इस लड़के को नहाये हुये एक महीना हो गया है. डाक्टर कहता है कि यदि वह नहीं नहायेगा तो उसे फोड़े-फुंसियां निकल आयेंगी.
वाह, चाचाजी! स्पोर्ट्स वाले के पास मेरे नाप के रोलर्स मिल गये.
सर्रर्र!

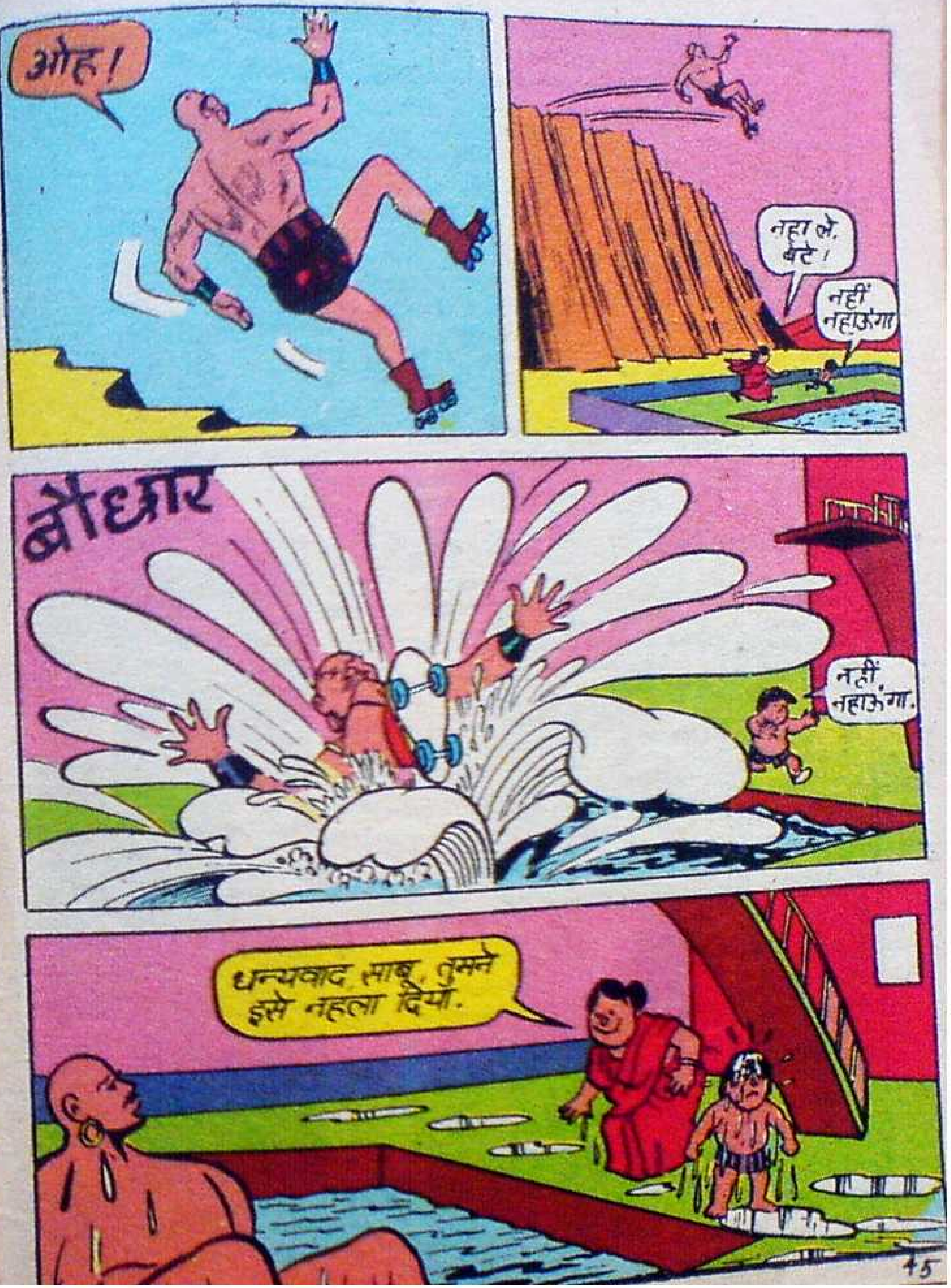
ओह!
नहा ले, बेटे!
नहीं नहाऊंगा
बौछार
नहीं नहाऊंगा.
धन्यवाद साबू, तुमने इसे नहला दिया.

डायमंड कामिक्स डाइजेस्ट

चाचा चौधरी-I	20.00
चाचा चौधरी-II	20.00
चाचा चौधरी-III	20.00
चाचा चौधरी-IV	20.00
चाचा चौधरी-V	20.00
चाचा चौधरी-VI	20.00
चाचा चौधरी-VII	20.00
चाचा चौधरी-VIII	20.00
चाचा चौधरी-IX	20.00
पिंकी-I	20.00
पिंकी-II	20.00
पिंकी-III	20.00
पिंकी-IV	20.00
पिंकी-V	20.00
बिल्लू-I	20.00
बिल्लू-II	20.00
बिल्लू-III	20.00
बिल्लू-IV	20.00
बिल्लू-V	20.00
बिल्लू-VI	20.00
राजन इकबाल-II	15.00
राजन इकबाल-III	15.00
राजन इकबाल-IV	15.00
राजन इकबाल-V	15.00
राजन इकबाल-VII	15.00
चाचा भतीजा-II	15.00
चाचा भतीजा-III	15.00
चाचा भतीजा-IV	15.00
महाबली शाका-I	15.00
महाबली शाका-II	15.00
लम्बू मोटू-I	15.00
लम्बू मोटू-IV	15.00
लम्बू मोटू-V	15.00
लम्बू मोटू-VIII	15.00
मैण्ड्रेक-I	15.00
मैण्ड्रेक-II	15.00
मैण्ड्रेक-III	15.00
मैण्ड्रेक-IV	15.00
मैण्ड्रेक-V	15.00
मैण्ड्रेक-VI	15.00
मैण्ड्रेक-VII	15.00
मामा भांजा-I	15.00
मामा भांजा-II	15.00
मामा भांजा-III	15.00

फैन्टम-I	20.00
फैन्टम-II	20.00
फैन्टम-III	20.00
फैन्टम-IV	20.00
फैन्टम-V	20.00
फैन्टम-VI	20.00
फैन्टम-VII	20.00
फैन्टम-VIII	20.00
फैन्टम-IX	20.00
फैन्टम-X	20.00
फैन्टम-XI	20.00
फैन्टम-XII	20.00
फैन्टम-XIII	20.00
फैन्टम-XIV	20.00
फैन्टम-XV	20.00
फैन्टम-XVI	20.00
फैन्टम-XVII	20.00
फैन्टम-XVIII	20.00
फैन्टम-XIX	20.00
फैन्टम-XX	20.00
	20.00
बेताल कथाएं-I	15.00
बेताल कथाएं-II	15.00
बेताल कथाएं-III	15.00
बेताल कथाएं-IV	15.00
बेताल कथाएं-V	15.00
बेताल कथाएं-VI	15.00
मोटू पतलू-I	15.00
मोटू पतलू-II	15.00
मोटू पतलू-III	15.00
मोटू पतलू-IV	15.00
मोटू पतलू-V	15.00
मोटू पतलू-VI	15.00
मोटू पतलू-VII	15.00
मोटू पतलू-XII	15.00
तेनाली राम I	15.00
तेनाली राम II	15.00
ताऊजी-III	15.00
ताऊजी-VI	15.00
ताऊजी-XIV	15.00
ताऊजी-XV	15.00
ताऊजी-XVI	15.00
मोटू छोटू-I	15.00
मोटू छोटू-II	15.00
मोटू छोटू-III	15.00
मोटू छोटू-IV	15.00

गिनेस बुक आफ रिकार्ड्स-I	15.00
गिनेस बुक आफ रिकार्ड्स-II	15.00
गिनेस बुक आफ रिकार्ड्स-III	15.00
बीरबल की सूझबूझ	15.00
बीरबल का तमाशा	15.00
छोटू लम्बू-I	15.00
छोटू लम्बू-II	15.00
छोटू लम्बू-III	15.00
छोटू लम्बू-IV	15.00
छोटू लम्बू-V	15.00
फौलादी सिंह-I	15.00
फौलादी सिंह-II	15.00
फौलादी सिंह-III	15.00
फौलादी सिंह-IV	15.00
फौलादी सिंह-V	15.00
अण्डेराम डण्डेराम-I	15.00
अण्डेराम डण्डेराम-II	15.00

धार्मिक डाइजेस्ट

सिंहासन बत्तीसी-I	15.00
सिंहासन बत्तीसी-II	15.00
ईसा मसीह	15.00
रामायण	15.00
गणेश महिमा	15.00
कृष्ण लीला	15.00
जातक कथाएं	15.00
दुर्गा महिमा	15.00
हनुमान चालीसा	15.00
विष्णु महिमा	15.00
महाभारत	15.00
पंचतंत्र	15.00
शिव महिमा	15.00
जैन धर्म के चौबीस तीर्थंकर	15.00
श्रीमद् भगवद्गीता	15.00
दशावतार	15.00
माता वैष्णो देवी	15.00
श्रीमद् भागवत	15.00
सिक्खों के दस गुरु	20.00
महर्षि दयानंद और उनके अनुयायी	15.00
शिरडी के साईं बाबा	15.00

डायमण्ड कामिक्स प्रा. लि. 2715, दरियागंज नई दिल्ली- 110002

डा य म ण्ड कॉ मि क्स

गिनेस बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड्स

मानव के हैरत अंगेज और चौंका देने वाले कारनामों के रोमांचक तथ्य और रिकार्ड्स से भरपूर एक अत्यन्त रोचक पुस्तक। तीन भागों में उपलब्ध। मूल्य प्रत्येक भाग 15/-

रोचक गणित

गणित जैसे कठिन विषय का लेखक ने बहुत ही रोचक ढंग से इस पुस्तक में उल्लेख किया है। बच्चे इस पुस्तक को पढ़कर गणित को रोचक खेल की तरह अपनाएंगे। मूल्य 8/-

रोचक सत्य

इस रोचक पुस्तक में लेखक ने ऐसे-ऐसे रोमांचक सत्यों का उल्लेख किया है जिन पर आप मुश्किल से ही विश्वास कर पाएंगे। सामान्य ज्ञान में वृद्धि करने के लिए एक अत्यन्त उपयोगी पुस्तक मूल्य 8/-

रोचक खिलौने

इस पुस्तक की सहायता से आप भी अपने व अपने मित्रों के लिए रोचक व उपयोगी खिलौने बना सकते हैं। मूल्य 8/-

रोचक विज्ञान

ज्ञान-विज्ञान के तथ्यों का लेखक ने बहुत ही सरल भाषा में इस पुस्तक में उल्लेख किया है। मूल्य 8/-

पज़ल पैक

मनुष्य को जीवन में कदम-कदम पर उलझनों व समस्याओं का सामना करना पड़ता है। लेकिन पजल पैक की सहायता से आप अनेक प्रकार की समस्याओं का समाधान बड़ी सुगमता से कर लेंगे।
आठ पुस्तकों के सैट का मूल्य 40/-

रोचक जादू

इस पुस्तक में लेखक ने बहुत ही रोचक ढंग से जादू के खेलों का वर्णन किया है। इस पुस्तक को पढ़कर आप भी जादू के खेल कर सकते हैं। मूल्य 8/-

डायमण्ड नॉलिज गाइड

सामान्य ज्ञान के अनेक ऐसे रोचक एवं रोमांचक तथ्य जो हर वर्ग के पाठक के लिए जानना आवश्यक है। हर घर में संग्रहणीय योग्य उपयोगी पुस्तक। मूल्य 15/-

डायमण्ड कॉमिक्स प्रा. लि. 2715, दरियागंज, नई दिल्ली-110002

डायमण्ड कॉमिक्स में

चाचा चौधरी के कामिक्स

चाचा चौधरी और बालाक फौला
चाचा चौधरी और साबू का वतन
चाचा चौधरी और डॉ. शरारतीलाल
चाचा चौधरी जूपिटर पर
चाचा चौधरी और कमाली ग्रह
चाचा चौधरी और चोर की तलाश
चाचा चौधरी का अजूबा
चाचा चौधरी और शेख इब्नबतूता
चाचा चौधरी और एक करोड़ का हीरा
चाचा चौधरी और डाकू के लुटेरे
चाचा चौधरी का इनाम
चाचा चौधरी और रोबोट
चाचा चौधरी और हीरों की चोरी
चाचा चौधरी और साबू का ग़ुस्सा
चाचा चौधरी और चमत्कार
चाचा चौधरी और राका का इंतकाम
चाचा चौधरी और हकीम अक्लतोड़
चाचा चौधरी और पर्वत की कमर
चाचा चौधरी और पोलटमाला
चाचा चौधरी और उड़ने वाली कार
चाचा चौधरी और हाथी का व्यापार
चाचा चौधरी बिल्लू और पिंकी
चाचा चौधरी और राका की वापसी
चाचा चौधरी का धमाका
चाचा चौधरी और साबू की शादी

चन्नी चाची के कामिक्स

चन्नी चाची की दुनिया
चन्नी चाची और बिजली
चन्नी चाची का निराली कुत्ता
चन्नी चाची
चन्नी चाची का पोता
चन्नी चाची के पड़ोसी
चन्नी चाची का सोटा

कार्टूनिस्ट प्राण के प्रसिद्ध कामिक्स चरित्र

चाचा चौधरी अमेरिका में
चाचा चौधरी और साबू का सूट
चाचा चौधरी और क्रिकेट मैच
चाचा चौधरी और रहस्यमय मोर
चाचा चौधरी और राका
चाचा चौधरी और साबू वाले टापू पर
चाचा चौधरी और करारे भक्षक
चाचा चौधरी और बैंक के लुटेरे
चाचा चौधरी और बोतल में जिन्न
चाचा चौधरी और गब्बर सिंह से टक्कर
चाचा चौधरी और अकबरी खजाना
चाचा चौधरी और साबू का अपहरण
चाचा चौधरी अंतरिक्ष में
चाचा चौधरी और आदमखोर
चाचा चौधरी और साबू का हमीदा
चाचा चौधरी और शिकारी लक्कड़बग्धा सिंह
चाचा चौधरी और मैजिक जारी
चाचा चौधरी और राका से मुठभेड़
चाचा चौधरी और गुलामों की बिक्री
चाचा चौधरी और युधिष्ठिर का मुकुट
चाचा चौधरी और राका का तूफान
चाचा चौधरी और अरमान अली पनमाल अली
चाचा चौधरी और सबक का भूत
चाचा चौधरी—राका का हमला

बिल्लू के कामिक्स

बिल्लू—मि. इंडिया
बिल्लू का खेल
बिल्लू और बजरंगी पहलवान
बिल्लू फाइव स्टार होटल में
बिल्लू और रावण के सिर
बिल्लू और फिल्म शो
बिल्लू का ढोल
बिल्लू होस्टल में
बिल्लू का होमवर्क
बिल्लू पिकनिक पर
बिल्लू की खोपड़ी
बिल्लू का हंगामा
बिल्लू-1
बिल्लू-2
बिल्लू-3
बिल्लू और हाथी की सैर
बिल्लू और करोड़ रुपये

दाबू और खजाने के लुटेरे
दाबू और उड़ने वाला गुब्बारा
दाबू और जकारियस सम्राट
दाबू और जांगो
दाबू और नरभक्षी पेड़
दाबू समुद्र में
दाबू और हीरो
दाबू और खतरनाक कैप्सूल
दाबू और विशाल बन्दर
दाबू और
अंतरिक्ष यात्रियों का अपहरण

पिंकी के कामिक्स

पिंकी और स्कूल की घंटी
पिंकी की गुड़िया
पिंकी के जूते
पिंकी और गुलाब
पिंकी और विश्व रिकार्ड
पिंकी का जन्मदिन
पिंकी और चाचा मुसीबती
पिंकी और कुंदनलाल पगड़ीवाला
पिंकी के मस्ती भरे
पिंकी और जोकर
पिंकी और चैरिटी का टिकट
पिंकी की पूंछ
पिंकी और दादा जी का अखबार
पिंकी का पिल्ला
पिंकी और नानी की कहानी
पिंकी और शैतानियाँ
पिंकी और रंगीन कैमरा
पिंकी और साबुन के बुलबुले
पिंकी और मक्खियों का खिताब
पिंकी और मियां मिलनोखा
पिंकी और शहर की की पतंग
पिंकी और बनारसी रसगुल्ले
पिंकी और मूसल के बेर
पिंकी और छूमन्तर
पिंकी और टू-इन-वन

रमन के कामिक्स

रमन और चमत्कारी तेल
रमन और लार्ड कर्ज़न का टाईम टाईटर
रमन और चमन भाई
रमन और भगतजी
रमन की छतरी
रमन और कुम्भकरण की नींद
रमन और दस का नोट
रमन की कार
रमन की पैंट
रमन का ताऊ
रमन हिल स्टेशन पर
रमन और चौका छक्का
रमन और बत्तीमल की दादी
रमन की टेलीविजन
रमन—हम एक हैं
रमन सर्कस में
रमन और दस लाख की लाटरी
रमन का कूलर
रमन और पॉप म्यूजिक
रमन और रहस्यमय खजाना
रमन और धमाका दोसा
रमन और रोलर स्केट
रमन और बत्तीमल का कर्ज़
रमन और बत्तीमल की शादी

डायमण्ड कामिक्स प्रा. लि. 2715, दरियागंज नई दिल्ली- 110002

डायमंड पेश करते हैं

रोमांटिक उपन्यासकार
नितिन बोस
के हृदयस्पर्शी उपन्यास

मिलन की रात 10.00
यादों का कफन 10.00
प्रेम परीक्षा 10.00
पतझड़ के फूल 10.00

पवित्र प्रेम 10.00

तुम मेरे हो 10.00

लागा चुनरी में दाग 10.00

लेखक के अन्य उपन्यास — वही सांझ वही भोर 10.00 तीसरा किनारा 10.00 प्रीत के कंगन 10.00
उजली चांदनी 10.00

सुलेख सुखद
ऐसे 10 कूपन काट कर
भेजें और एक अनुपम
उपहार प्राप्त करें
अपना नाम पता साफ-साफ लिखें

भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाले कामिक्स
डायमण्ड कॉमिक्स में
आपके मनोरंजन के लिये हंसा हंसा कर लोटपोट कर देने वाले
कार्टूनिस्ट प्राण के बिल्कुल नये कामिक्स
हंसा हंसाकर लोटपोट कर
देने वाला बिल्लू का नया कामिक्स
आपको गुदगुदा देने वाली
पिंकी की नयी धमा चौकड़ी
मनोरंजन और एक्शन से
भरपूर नयी कामिक्स
प्राण
पिंकी और स्कूल की घंटी
प्राण
बिल्लू और करोड़ रुपये
प्राण
चाचा चौधरी
प्राण
चन्नी चाची की दुनिया
शीघ्र आ रहा है।
प्राण
चाचा चौधरी और सड़क का भूत
प्राण
रमन और लिफ्ट
कहकहों से भरपूर
चन्नी चाची का नया कारनामा
सैकड़ों ठहाकों से भरपूर
रमन का नया कामिक्स
दरियागंज, नई दिल्ली- 110002